महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज संस्थान - म.प्र.

पहल

ई–समाचार पत्र (मासिक) – त्रेसठवां संस्करण (माह मार्च, 2021)

➔ ''पहल'' के इस संस्करण में .....

1. अपनी बात ....
2. ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक के कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण का आयोजन
3. आपदा के प्रकार – शीत लहर
4. जल सरंक्षण एवं संवर्धन अभियान – सफलता की कहानी
5. ग्रामीण क्षेत्र में सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन की मिसाल बनती महिलाऐं
6. श्रमिकों के लिये वरदान ''मनरेगा''
7. सोशल डिस्टेंस से काबू में रहेगा कोरोना वायरस
8. जेंण्डर आधारित आधी आबादी स्वसहायता समूह माध्यम – काव्य रचना
9. सच हुआ सपना अपने आशियाने का – सफलता की कहानी
10. हरदा जिले में एमआरपी एवं एसएचजी द्वारा स्वच्छता साक्षरता अभियान
11. ग्राम में महिलाओं द्वारा नशा मुक्ति आन्दोलन

प्रकाशन समिति

संरक्षक एवं सलाहकार
श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव (IAS)
अपर मुख्य सचिव,
मध्यप्रदेश शासन
पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग

प्रधान संपादक
श्री संजय कुमार सराफ,
संचालक,
महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास
एवं पंचायतराज संस्थान–म.प्र., जबलपुर

सह संपादक
श्रीमती सुनीता चौबे,
उप संचालक, म.गां.रा.ग्रा.वि.पं.रा.स.–म.प्र., जबलपुर

ई–न्यूज के सम्बन्ध में अपने फीडबैक एवं आलेख छपवाने हेतु कृपया इस पते पर मेल करें–**mgsirdpahal@gmail.com**
Our official Website : www.mgsird.org, Phone : 0761-2681450 Fax : 761-2681870

Designed & Developed By : Mr. Jay Kumar Shrivastava, Programmer, MGSIRD&PR, JABALPUR

अपनी बात...

''पहल'' मासिक ई–न्यूज लेटर का त्रेसठवां संस्करण का प्रकाशन किया जा रहा है, जो वर्ष 2021 का तृतीय मासिक संस्करण है।

इस संस्करण में ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम पंचायत सचिवों एवं ग्राम रोजगार सहायकों के कौशल विकास एवं क्षमतावर्द्धन हेतु संस्थान में आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रमों को **''ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक के कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण का आयोजन''** समाचार आलेख के रूप में शामिल किया गया है।

इसके साथ–साथ **''आपदा के प्रकार – शीत लहर''**, **''जल सरंक्षण एवं संवर्धन अभियान – सफलता की कहानी''**, **''ग्रामीण क्षेत्र में सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन की मिसाल बनती महिलाऐं''**, **''श्रमिकों के लिये वरदान 'मनरेगा'''**, **''सोशल डिस्टेंस से काबू में रहेगा कोरोना वायरस''**, **''जेंण्डर आधारित आधी आबादी स्वसहायता समूह माध्यम – काव्य रचना''**, **''सच हुआ सपना अपने आशियाने का – सफलता की कहानी''**, **''हरदा जिले में एमआरपी एवं एसएचजी द्वारा स्वच्छता साक्षरता अभियान''** एवं **''ग्राम में महिलाओं द्वारा नशा मुक्ति आन्दोलन''** आदि आलेखों को शामिल किया गया है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि 'पहल' का यह संस्करण आपको अत्यंत रूचिकर, नवीन उपयोगी एवं आवश्यक जानकारी प्रदान करने वाला रहेगा।

शुभकामनाओं सहित।

संजय कुमार सराफ
संचालक

ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक के कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण का आयोजन

ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों के कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु 5 दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण के 8 बैच दिनांक 08 फरवरी 2021 से 13 मार्च 2021 के मध्य आयोजित किये गये।

आयोजित प्रशिक्षण का शुभारंभ संस्थान के संचालक, श्री संजय कुमार सराफ जी द्वारा किया गया। आयोजित प्रशिक्षण सत्र में डायरेक्टर महोदय द्वारा प्रतिभगियो का मार्गदर्शन देते हुए प्रशिक्षण की रूपरेखा एवं शासन की मंशा के बारे मे अवगत कराया गया।

इसमें झाबुआ, रतलाम, डिण्डौरी, सिवनी, मण्डला, पन्ना, दमोह, जबलपुर, छिन्दवाड़ा, उमरिया, नरसिंहपुर, उज्जैन, बैतूल, सीहोर, हरदा, भोपाल, टीकमगढ़, शहडोल, बालाघाट, अलीराजपुर, श्योपुर, होशंगाबाद, खरगोन, बड़वानी, विदिशा, नीमच एवं शाजापुर जिलों के कुल 339 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

उक्त प्रशिक्षण में कम्प्यूटर का परिचय एवं ग्राम पंचायत स्तर पर कम्प्यूटर का उपयोग, आपरेटिंग सिस्टम, हार्डवेयर एवं विन्डो का परिचय, माईक्रो साफ्ट आफिस, एमएस वर्ड का परिचय एवं उपयोग, एम.एस. एक्सेल का परिचय एवं उपयोग, इन्टरनेट एवं ई–मेल का परिचय, एम.एस. पावर पाइंट का परिचय एवं उपयोग, संबल पोर्टल का परिचय एवं उपयोग, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत आवास साफ्ट एप्लीकेशन एवं मोबाईल एप्प का परिचय, स्वच्छ भारत मिशन पोर्टल एवं मोबाईल एप्प का परिचय, पंचायत दर्पण एप्लीकेशन पोर्टल का परिचय, रिर्पोट देखना एवं डाटा एंट्री संबंधी कार्य, ई–ग्राम स्वराज पोर्टल का परिचय एवं पंच परमेश्वर मोबाईल एप्प का परिचय, पंच परमेश्वर मोबाईल एप्प इंस्टालेशन प्रक्रिया एवं उपयोग, मनरेगा पोर्टल का परिचय, एमआईएस एप्लीकेशन का परिचय एवं डाटा एंट्री, रिपोर्ट की जानकारी एवं सिक्योर पोर्टल का परिचय एवं उपयोग, भुवन पोर्टल का परिचय, भुवन मनरेगा मोबाईल एप्प का परिचय, इंस्टालेशन प्रक्रिया एवं उपयोग, समग्र पोर्टल, मोबाईल एप्प एवं इसके अतर्गत अन्य पोर्टल एवं पीएफएमएस एप्लीकेशन का परिचय आदि विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम पंचायत सचिवों एवं ग्राम रोजगार सहायकों के कौशल विकास एवं क्षमतावर्द्धन कर कार्य कुशलता में वृद्धि करना है ताकि प्रशिक्षण पश्चात वे सामाजिक, आर्थिक विकास एवं गांव के समग्र विकास हेतु अपना योगदान दे सकें।

प्रशिक्षण के अंत मे सभी प्रतिभागियो द्वारा प्रशिक्षण से संबंधित फीडबैक एवं सुझाव दिए गए। प्रशिक्षण के सत्र समन्वयकों द्वारा प्रतिभागियो की शंका का समाधान कर सभी को धन्यवाद देते हुए प्रशिक्षण का समापन किया गया ।

जय कुमार श्रीवास्तव
प्रोग्रामर

आपदा के प्रकार – शीत लहर

शीत लहर किसी विस्तृत क्षेत्र में वायु के ठंडे होने या अत्यंत ठंडी वायु के प्रवेश द्वारा चिन्हित एक मौसम परिघटना है। यह अत्यंत ठंडे मौसम वाली एक दीर्घकालीन अवधि भी हो सकती है। इस स्थिति के दौरान उच्च अक्षाशीय पवनें (High winds) भी प्रवाहित हो सकती हैं जिससे वायु में शीतलक प्रभाव (Wind Chills) अत्यधिक बढ़ जाता है। शीत लहर, ठंड के मौसम से संबंधित महत्वपूर्ण घटनाओं यथा हिमझंझावात या बर्फीले तूफान से पहले या उनके साथ प्रवाहित हो सकती हैं।

शीत लहर के कारण

- भारत में शीत लहर का विस्तार अपेक्षाकृत उच्च अक्षांशों से ठंडी वायु के आगमन के कारण होता है। यह सामान्यतः, अल नीनों, चकवातीय गतिविधियों तथा जेट धाराओं (पश्चिमी विक्षोभ) से संबद्ध होती है।
- पश्चिमी विक्षोभ, 20^0 N के उत्तर में ऊपरी क्षोभमंडलीय पछुआ पवनों के साथ पूर्व की ओर अग्रसर सुस्पष्ट गर्त (troughs) के रूप में प्रकट होते हैं और प्रायः निचले क्षोभमंडल तक विस्तारित होते हैं। ये उत्तरी अक्षांश से ठंडी वायु को भारत की ओर ले आते हैं। उत्तरी अरब सागर के ऊपर निम्न दाब तंत्र के विकसित होने के कारण भी शीत लहर के कुछ दृष्टांत सामने आए हैं। इन स्थितियों में, निम्न दाब तंत्र के उत्तर की क्षोर की पूर्वी पवनें उच्च अक्षाशों से ठंडी पवनें अपने साथ लाती हैं।

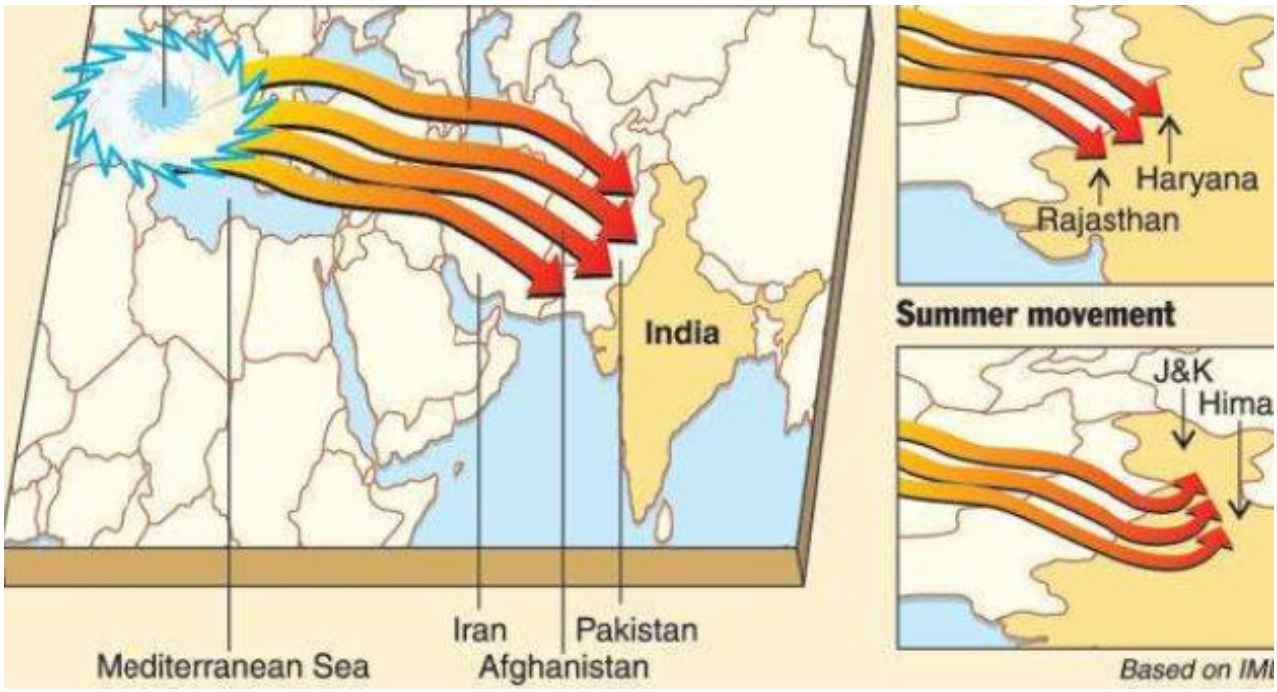

भारत में शीत लहर संबधी खतरे

- शीत ऋतु में नवम्बर से फरवरी के मध्य चलने वाली शीत लहर उत्तर भारत के लोगों के लिए खासी परेशानी का कारण बन जाती है। शीत लहरों के विस्तार के दौरान, न्यूनतम तापमान में 4^0 सेंटीग्रेट से अधिक की गिरावट देखी जाती है। यह दौर सामान्यतः 3 से 5 दिनों तक चलता है तथा जनवरी में ऐसी स्थितियां सर्वाधिक देखने को मिलती है।

भारत में शीत लहर का वितरण प्रतिरूप

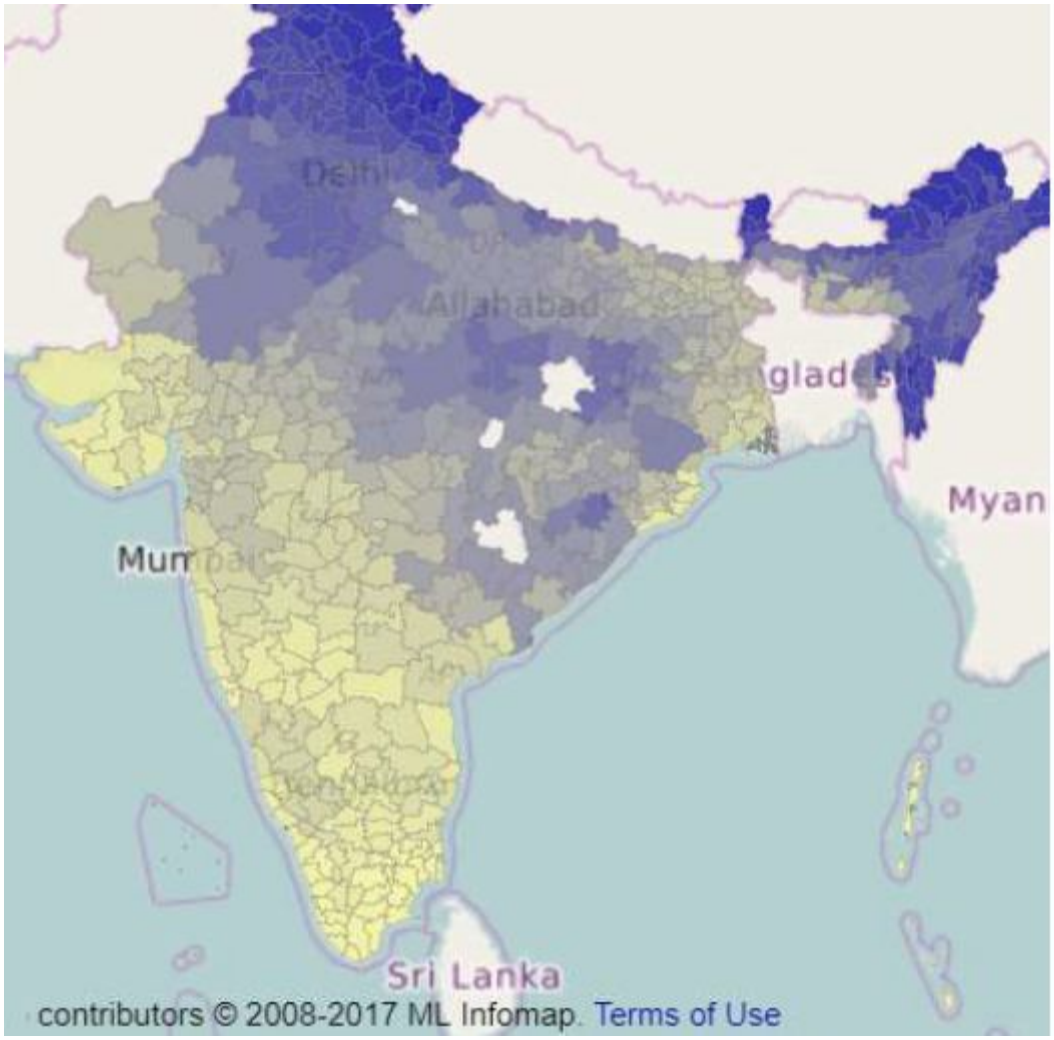

- **उत्तरी भारत**

  उत्तरी मैदानों में दिसंबर तथा जनवरी सर्वाधिक ठंडे महीने होते हैं। पंजाब तथा राजस्थान में रात्रिकालीन तापमान के हिमांक के भी नीचे जाने की संभावना रहती है। उत्तर भारत में अत्यधिक ठंड के निम्नलिखित कारण हो सकते हैं:

  - समुद्र के समकारी प्रभाव से बहुत दूर स्थित होने के कारण पंजाब, हरियाणा तथा राजस्थान जैसे राज्यों में महाद्वीपीय जलवायु पाई जाती है।
  - निकटवर्ती हिमालय पर्वतश्रेणियों में होने वाली बर्फबारी के कारण शीतलहर की स्थिति उत्पन्न हो जाती है; तथा
  - फरवरी के आस–पास कैस्पियन सागर तथा तुर्कमेनिस्तान से आने वाली ठंडी पवनें भारत के उत्तर–पश्चिमी भागों में वुषार तथा कोहरे के साथ–साथ शीतलहर के आगमन का कारण बनती हैं।

- **प्रायद्वीपीय क्षेत्र**

  भारत के प्रायद्वीपीय क्षेत्र में स्पष्ट रूप से परिभाषित शीत ऋतु नहीं होती है। समुद्री समकारी प्रभाव तथा विषुवतरेखा से निकटता के कारण तटीय क्षेत्रों में तापमान के वितरण प्रतिरूप में कदाचित ही कोई मौसमी परिवर्तन आता है।

शीत लहर के प्रभाव

- तुषार के साथ यह कृषि, अवसंरचना तथा संपत्ति को नुकसान पहुँचा सकती है।
- भारी हिमपात तथा अत्यधिक ठंड के कारण सम्पूर्ण क्षेत्र निष्क्रिय हो सकता है।
- हिमआंधियों के कारण बाढ़ आना, तूफान महोर्मि, राजमार्ग एवं सड़कें अवरूद्ध होना, बिजली की लाइनों का धराशायी होना तथा हाइपोथर्मिया।
- आर्थिक तथा मानवीय क्षति।

तापमान के पैमाने पर	
हीट वेव	**शीत लहर**
सामान्य तापमान से विचलन पर आधारित– **हीट वेवः**– अधिकतम सामान्य तापमान से 4.5 से 6.4^0 C अधिक।	**सामान्य तापमान से विचलन पर आधारित–** **शीत लहरः**– न्यूनतम सामान्य तापमान से 4.5 से 6.4 कम।
प्रचंड हीट वेवः अधिकतम सामान्य तापमान से 6.4^0 C अधिक।	**प्रचंड शीत लहरः**– न्यूनतम सामान्य तापमान से 6.4^0 C अधिक। कम।
वास्तविक अधिकतम तापमान पर आधारित	**वास्तविक न्यूनतम तापमान पर आधारित**
हीट वेवः– 45^0 C या अधिक तापमान।	**शीत लहरः**– न्यूनतम सामान्य तापमान 4^0 C या उससे कम।
प्रचंड हीट वेवः 47^0 C या अधिक	**प्रचंड शीत लहरः**– न्यूनतम तापमान 4^0 C या उससे कम।
गर्म रातः (यह तभी लागू होगा जब अधिकतम तापमान 40^0 C या उससे अधिक हो) न्यूनतम तापमान विचलन 4.5^0 C से 6.4^0 C	**ठंडा दिनः** (यह तभी लागू होगा जब मैदानों में न्यूनतम तापमान 10^0 C या उससे कम हो और पर्वतीय प्रदेशों में 0^0 C या उससे कम हों) अधिकतम तापमान विचलन -4.5^0 C से -6.4^0 C
अत्यधिक गर्म रातः न्यूनतम तापमान विचलन 6.4^0 C से अधिक	**अत्यधिक ठंडा दिनः** अधिकतम तापमान विचलन –6. 4^0 C से अधिक

शीत लहर संकट प्रबंधन के मार्ग में वर्तमान बाधाएंः

- चूँकि शीत लहर/पाला एक स्थानीय आपदा है, अतः इसके लिए राष्ट्रीय स्तर की योजनाओं की बजाय संबंधित राज्य सरकारों द्वारा स्थान विशिष्ट शमनकारी योजनाएं तैयार किये जाने की आवश्यकता होती है।
- स्थानीय स्तर पर SHG_S तथा PRI_S आदि की भागीदारी में कमी।
- समयपूर्व तैयारी का अभाव।

नोट– वर्ष 2016 में, शीत लहर तथा हीट वेव को परिभाषित करने वाले मानकों में परिवर्तन कर राष्ट्रीय मौसम संस्थान IMD ने एक नयी नियमावली को अंगीकृत किया है।

डॉ. त्रिलोचन सिंह
संकाय सदस्य

जल सरंक्षण एवं संवर्धन अभियान – सफलता की कहानी

मालवा अंचल में स्थित इंदौर जिले की तहसील देपालपुर जो कि राजा देवपाल की नगरी के नाम से विख्यात है जनपद पंचायत देपालपुर की ग्राम पंचायत कालीबिल्लोद द्वारा वर्ष 2017–18 में मनरेगा योजना के अन्तर्गत एन. आर. एम. कन्सेप्ट के तहत जल संग्रहण हेतु चेकडेम और जल संग्रहण मे वृद्धि हुत नाला ट्रेचिंग एवं वृक्षारोपण जैस कार्य किये गये जिससे सतही जल में वृद्धि के सांथ सांथ भूमिगत जल में भी वृद्धि हुई।

ग्राम पंचायत द्वारा कालीबिल्लोद के भौगोलिक क्षैत्रफल के अंतर्गत आने वाले नाले की भोगोलिक स्थिति के अनुसार जल सरंक्षण के कार्यों का चयन कर निर्माण कार्य कराया गया है। पूर्व में ग्राम पंचायत कालीबिल्लोद के कार्य क्षैत्र में वर्षा का जल बहकर बाहर निकल जाता था परन्तु जल संरक्षण संरचनाओं के बनने से पानी को रोका गया जिससे सतही जल एवं भूमिगत जल में बढ़ोतरी हुई।

ग्राम पंचायत कालीबिल्लोद द्वारा एक बावड़ी का नवीनीकरण करने हेतु चयन किया गया उक्त बावड़ी पर निर्माण कार्य प्रगतिरत है। जल शक्ति अभियान के तहत ग्राम सचिवालय कालीबिल्लोद के पंचायत भवन, स्कूल भवन और आंगनवाड़ी भवन में रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम विकसित करने से जल संरक्षण एवं ग्राऊण्ड वाटर में वृद्धि हुई।

ग्राम सचिवालय द्वारा समय समय पर ग्रामवासियों को जल संरक्षण एवं जल संचय करने के संबंध में बताया गया जिससे ग्राम वासियों में जागरूकता बढ़ी और ग्राम वासियों को जल संरक्षण एवं जल संचय के संबंध में निरन्तर अवगत कराय जाता है।

चंद्रेश कुमार लाड़
संकाय सदस्य

ग्रामीण क्षेत्र में सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन की मिसाल बनती महिलाऐं

भारत में महिला सशक्तीकरण के प्रयास

भारत का संविधान सभी भारतीय महिलाओं की समानता की गारंटी देता है। किसी के साथ लैंगिक आधार पर कोई भेदभाव नहीं करने, सभी को अवसरों की समानता, समान कार्य समान वेतन, महिलाओं के सशक्तिकरण की नीति एवं महिलाओं व बच्चों के पक्ष में विशेष प्रावधान बनाये गये हैं।

क्या भारतीय महिलाएं सशक्त हो गयीं हैं ?

देश में ना तो महिलाओं को सशक्त बनाने वाली सरकारी योजनाओं की कमी है और ना ही स्त्री विमर्श करने वालों की। एक ओर आज के इस आधुनिक वैज्ञानिक युग में नारियों ने कृषि से लेकर अंतरिक्ष तक अनेक क्षेत्रों में पुरुषों के बराबर स्थान हासिल कर लिया है वहीं दूसरी ओर आज भी बहुत सारी महिलाएं अपनी मौलिक अधिकारों से वंचित रहने को विवश हैं। महिलाओं की समस्याओं को कम करने वा इन्हें आगे बढ़ाने के प्रयासों के रूप में अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

महिलाओं और पुरुषों में समानता बनाने के लिए समाज में जागरूकता लाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय

महिला दिवस का आयोजन प्रतिवर्ष 8 मार्च को किया जाता है। प्रसिद्ध जर्मन एक्टिविस्ट क्लारा जेटकिन ने 1910 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुरुआत की थी। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस विशेष थीम वुमेन इन लीडरशिप : अचिविंग एन इक्वल फ्यूचर इन ए कोविड–19 वर्ल्ड" की थीम पर मनाया गया है।

ग्रामीण क्षेत्र की महिला चैंम्पियन बन रहीं हैं बदलाव की मिसाल

ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के सामाजिक व आर्थिक विकास में गांव की महिलाओं का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ऐसी महिलाओं के प्रयासों को संस्थान द्वारा हमेशा प्रोत्साहित किया गया है। ऐसी ही मिसाल कायम करने वाली महिला नेत्रियों द्वारा किये गये सफलता के प्रयासों को इस लेख में शामिल कर रहे हैं :–

सुश्री रोशनी नागले, स्व–सहायता समूह जिला बैतूल

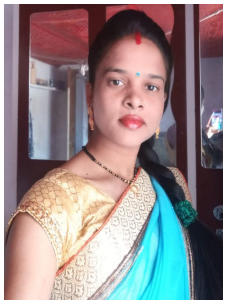

सुश्री रोशनी नागले, अध्यक्ष, ग्राम संगठन : शिव स्व सहायता समूह एवं उजाला महिला बहुउद्देशीय बहु प्रयोजन सहकारी समिति मर्यादित बैतूल, जिला – बैतूल, राज्य – मध्यप्रदेश द्वारा तमाम मुश्किलें होते हुये भी महिला हिंसा की रोकथाम के लिये समूह की दीदियों को सशक्त बनाने की कोशिश की। समूह की बचत से महिला सदस्यों का इलाज करवाया।

प्रदेश की जिला पंचायत बैतूल की जनपद पंचायत शाहपुर में ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिये एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जा रहा है। आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्व सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को अब विभिन्न आय के साधनों से जुडक़र आत्मनिर्भरता मिल रही है।

श्रीमति सुशीला खातरकर, स्वसहायता समूह जिला बैतूल

ग्राम लालावाड़ी, जनपद पंचायत आमला जिला बैतूल में संत रविदास आजीविका स्व सहायता समूह बहुत ही अच्छे से आजीविका मिशन के सभी सूत्रों का पालन किया जा रहा है। इस समूह में श्रीमति सुशीला खातरकर समूह की अध्यक्ष एवं श्रीमति अनिता खातरकर सचिव का दायित्व निभा रहीं हैं। इस समूह द्वारा सेनेटरी नैपकिन तैयार कर विक्रय किया जा रहा है।

श्रीमती माधुरी ऋषि शुक्ला, उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत खैरलांजी, जिला बालाघाट

मध्यप्रदेश के खैरलांजी जनपद पंचायत जिला बालाघाट की जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती माधुरी ऋषि शुक्ला जो राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज संस्थान, हैदराबाद से सर्टीफाईड मास्टर रिसोर्स हैं। इनके द्वारा जम्मू एवं कश्मीर शासन के आमंत्रण पर श्रीमती शुक्ला ने कनवेंशन सेन्टर, जम्मू में दिनांक 17–18 दिसम्बर 2019 को आयोजित जम्मू कश्मीर के निर्वाचित ''ब्लाक डेवलपमेंट कौंसिल'' के चेयर परसन के प्रशिक्षण कार्यक्रम में मध्यप्रदेश की पंचायतराज व्यवस्था एवं अपने द्वारा किये गये उत्कृष्ठ कार्यो को बताया।

श्रीमती सरोज सिंह, सरपंच मझियार सेमरिया, जिला रीवा

श्रीमती सरोज सिंह, सरपंच ग्राम पंचायत मझियार सेमरिया, जनपद पंचायत सिरमौर जिला रीवा (म.प्र.) द्वारा अपनी ग्राम पंचायत में महिलाओं के विकास के लिए अपनी ओर से विशेष प्रयास किये। जिनमें इनके द्वारा महिला स्व–सहायता समूहों को आगे बढ़ाना, सामाजिक न्याय की स्कीमों को परिणाममूलक कियान्वयन, संरचनात्मक विकास के कार्य, महिलाओं एवं बच्चों के विकास के लिए प्रयास किये गये।

श्रीमती पुष्पा नागेश्वर, जनपद सदस्य, जनपद पंचायत लालबर्रा, जिला बालाघाट

गांव परिवेश में पली–बढ़ी महिला जनप्रतिनिधि यदि ढान ले की मुझे अपने क्षेत्र में वो करना है जो मैंने अपने क्षेत्र की जनता से जो वायदे किये है चाहें जो कुछ हो जाये करके ही दिखाऊं•ग। यह सिद्ध किया श्रीमती पुष्पा नागेश्वर जनपद सदस्य क्षेत्र क्रमांक 12 जनपद पंचायत लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.) ने। मछुआरों के हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का सफल कियान्वयन, दुर्घटना बीमा की दावा राशि दिलाने, आमजन को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ–साथ सामुदायिक विकास के भी कार्य किये गये।

श्रीमती शकुन बाई पटेल, स्वसहायता समूह जिला कटनी

श्रीमती शकुन बाई पटेल, मध्यप्रदेश के जिला कटनी की जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ की ग्राम पंचायत चरी की रहने वाली हैं। शकुन बाई आज ''सशक्त महिला'' का प्रतिनिधित्व करती हुई दिखाई दे रहीं हैं। अपने परिवार की आवश्कताओं को पूरा करते हुये फोटोकॉपी की दुकान चलानी वाली सरस्वती आजीविका स्व–सहायता समूह की अध्यक्ष, आजीविका मिशन ग्राम संगठन श्री राम संगठन चरी की संचालिका, आजीविका मिशन सामुदायिक स्त्रोत व्यक्ति, बैंक सखी, स्वच्छता के क्षेत्र में कार्य करने वाली आज दूसरी महिलाओं के लिए प्रेरक की भूमिका निभा रही है।

सुश्री प्रीति कोल व सुश्री मीना कोल, राजमिस्त्री, जिला उमरिया

सामान्य तौर पर महिलाओं को आवास निर्माण कार्यो में राजमिस्त्री के सहायक के रूप में काम करते तो देखा जा सकता है किंतु महिलाओं स्वयं राजमिस्त्री का दायित्व निभा रही हों ऐसा कम ही देखा जाता है।

मध्यप्रदेश के अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्र उमरिया में प्रधानमंत्री आवास निर्माण के कार्य को देखते महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज संस्थान अधारताल जबलपुर सर्टीफाइड डिमान्सट्रेटर द्वारा स्व–सहायता समूह की 42 महिलाओं को राजमिस्त्री का 45 कार्य दिवसों का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें प्रशिक्षण लेकर ग्राम पंचायत मुगंवानी की सुश्री प्रीति कोल व सुश्री मीना कोल पहले मकान निर्माण कार्य में सीमेंट गारा उठाया करती थी पर अब उन्होने भी राजमिस्त्री का काम सीख लिया है और आवास निर्माण में राजमिस्त्री का कार्य करने लगी हैं।

श्रीमती मिथलेश द्विवेदी, सरपंच, ग्राम पंचायत खिरहनी जिला कटनी

जिला कटनी की जनपद पंचायत बहोरीबंद ग्राम पंचायत खिरहनी की सरपंच श्रीमती मिथलेश द्विवेदी द्वारा स्व–सहायता समूह के साथ सामंजस्य बना कर कार्य किया जा रहा है। वे अपनी ग्राम पंचायत क्षेत्र में संचालित आंगनवाड़ी केन्द्रों में जाकर पर्यवेक्षण, मार्गदर्शन देती हैं। श्रीमती द्विवेदी ग्राम पंचायत क्षेत्र में स्वच्छ भारत मिशन की गतिविधियों को अच्छे से क्रियान्वित करा रहीं है। पात्र हितग्राहियों को उज्जवला योजना अन्तर्गत गैस कनेक्शन दिलाने का प्रयास किया गया है। गांव के देवस्थानों का सुधारीकरण एवं विकास के

महत्वपूर्ण कार्य करवाये गये हैं। गांव में नलजल योजना सफलतापूर्वक चल रही है। गांव में जनकल्याणकारी योजनाओं का कियान्वयन किया जा रहा है।

श्रीमती आशा दाहिया, सरपंच, ग्राम पंचायत पौड़ी छपरी, जिला जबलपुर

श्रीमती आशा दाहिया, सरपंच, ग्राम पंचायत – पौड़ी छपरी, जनपद पंचायत पाटन जिला जबलपुर मध्यप्रदेश द्वारा स्व–सहायता समूहों के साथ समन्वय, ग्रामों के आवा•मन और पानी की उचित निकासी के कार्य, आंगनवाड़ी केन्द, इंदिरा गांधी वद्धावस्था पेंशन, इंदिरा गांधी विधवा पें'ान, इंदिरा गांधी दिव्यांग पेंशन, कल्याणी पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ दिलाया। संबल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, समग्र स्वच्छता मिशन, उज्जवला योजना के अन्तर्गत विभिन्न आवश्यक कार्य करवाये गये हैं।

श्रीमती अनुराधा जोशी, सरपंच, ग्राम पंचायत कोदरिया, जिला इन्दौर

ग्राम पंचायत कोदरिया, मध्यप्रदेश की जनपद पंचायत महू, जिला इन्दौर में आती है। आज ग्राम पंचायत कोदरिया हमारे मध्यप्रदेश ही नहीं वरन् पूरे देश में अपनी विकासशील गतिविधियों के लिये पहचाना जाता है। इस पहचान को देश के द्रष्टिपटल पर रखने वाली और कोई नहीं, इस ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती अनुराधा जोशी हैं।

सर्वश्रेष्ठ सरपंच का खिताब पाने वाली श्रीमती अनुराधा जोशी ने ग्रामीण विकास मंत्रालय की अनेक कार्यशालाओं में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया है। कानपुर में आयोजित ''स्वच्छता ही सेवा है'' कार्यक्रम में राष्ट्रपति महोद्य के समग्र स्वच्छता एवं पेयजल के बारे में मंच से बोलने का गौरव प्राप्त हुआ। ग्राम पंचायत में ऑन लाईन टैक्स सुविधा से युक्त ग्राम पंचायत, वॉटर एटीएम, चलित वॉटर एटीएम वाहन, निःशुल्क एम्बुलेंस सुविधा, ई–शिक्षा और खेलकूद सुविधायुक्त, शराब मुक्त, स्वच्छ, प्रकाश संसाधनयुक्त, जलप्रदाय प्रबंधन की दिशा में सफलतम प्रयास श्रीमती अनुराधा जोशी द्वारा किये गये हैं।

श्रीमती बिलसिया दीदी एवं सचिव श्रीमती देवी दीदी, स्वसहायता समूह जिला बैतूल

प्रदेश के बैतूल जिले के विकासखण्ड घोड़ाडोगरी अंतर्गत ग्राम पंचायत पांढरा के चोरपांढरा ग्राम मे मध्यप्रदेश दीनदयाय अन्त्योदय राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत ग्राम के गरीब व अति गरीब महिलाओं का आजीविका को सुदृढ करने हेतु स्व सहायता समूह का निर्माण किया गया। जिसका नाम ''सरस्वती महिला

आजीविका स्व सहायता समूह'' रखा गया। समूह की अध्यक्ष श्रीमती बिलसिया दीदी एवं सचिव श्रीमती देवी दीदी ने अपनी सूझबुझ दिखाते हुये समूह की गतिविधियों को धीरे–धीरे विस्तृत रुप दिया। समूह द्वारा गुड़ चिक्की का उत्पादन किया जाता है। इनकी गुड चिक्की को शासन द्वारा खरीद कर प्राथमिक शाला में मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम में बच्चों को खिलाया जाता है।

भविष्य की संभावनाएं

भारत गांवों का देश है। गांव की महिलाएं सशक्त होंगी तो इसका सकारात्मक प्रभाव पूरे देश में होना लाजमी है। आज इन महिला नेत्रियों को देख कर अन्य महिलाओं में कुछ अच्छा कर गुजरने का हौंसला आ रहा है। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं में सफलता प्राप्त करने की असीम संभावनायें हैं। इस लेख में शामिल ये महिलाएं मात्र सशक्तीकरण का प्रतीकात्मक प्रस्तुति है इनकी तरह अन्य बहुत सी महिलायें अपने–अपने क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास कर रहीं हैं।

ग्रामीण महिलाओं दृष्टि से अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस का मायने तो यही है कि, ग्रामीण महिलाओं के लिए शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को परिणाममूलक बनाने का प्रयास किया जाये। गांव में सशक्त होती कुछ महिलाएं जिनका उल्लेख हमने इस लेख में किया है ये महिलाएं इस बात की ओर संकेत करती हैं हैं इन्हें अगर आगे आने के लिए प्रोत्साहित करते रहा जाये तो इनकी ये महिला सशक्तीकरण की दिशा में पूरे देश में क्रांति ला सकती हैं।

महिलाओं के हुनर, व्यवहारिक ज्ञान, बचत करने के गुण, समझाने के कौशल का और अपार उर्जा का उपयोग समाज के हितार्थ किया जा सकता है। महिला को सफल एवं सशक्त बनाने की दिशा में महिलाओं और पुरूषों को दोनों को मिल कर सार्थक पहल करने की आवश्यकता है।

डॉ. संजय कुमार राजपूत,
संकाय सदस्य

श्रमिकों के लिये वरदान ''मनरेगा''

वर्ष 2019–20 तत्कालीन कलेक्टर महोदय द्वारा बेहतर रिकार्ड रख रखाव पंचायत कार्यालय मे सुविवस्थित फर्नीचर व्यवस्था मीटिंग हाल इलैक्ट्रिकल व्यवस्था, पानी की उचित व्यवस्था एवं शासन द्वारा निर्धारित समस्त योजनाओं का समय सीमा पर क्रियान्वित करने हेतु ग्राम पंचायत भोमा को ISO 9001:2015 प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया है। ग्राम पंचायत भोमा जिला व जनपद पंचायत सिवनी की सबसे बड़ी पंचायत मे से एक है, जो जिला मुख्यालय से पूर्व की दिशा से 20 कि.मी कि दूरी पर मंडला रोड मे स्थित है।

ग्राम पंचायत भोमा में मनरेगा के अंतर्गत आधुनिक सुविधाओं से लेस ग्राम पंचायत भवन के निर्माण किया गया जिसमे पानी की व्यवस्था, मीटिंग हाल, कम्प्युटर कक्ष, विद्धुत व्यवस्था, फर्नीचर की सुविवस्थित व्यवस्था की गई साथ ही पंचायत परिसर

मे बच्चों के खेलने हेतु गार्डन की व्यवस्था एवं त्रेवेणी चबूतरा का निर्माण कार्य किया गया है। इन सभी सुविधाओ के चलते ग्राम पंचायत भोमा को 10 पंचायत का सेक्टर पंचायत बनाई गयी।

नवीन आगनवाड़ी भवन निर्माण कार्य

सर्व सुविधा युक्त नवीन आगनवाड़ी भवन का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया हे जिसमे बेठक व्यवस्था पेय जल व्यवस्था विधुत व्यवस्था , एवं समस्त कार्यालीन व्यवस्था उपलब्ध है।

क्र.	निर्माण कार्य	संख्या
1.	सी.सी रोड निर्माण कार्य सहनाली	18
2.	पंचायत भवन निर्माण कार्य	1
3.	सभा मंच निर्माण कार्य	4
4.	आगनवाड़ी भवन निर्माण कार्य	1
5.	बाउंड्री बाल निर्माण कार्य	3

श्रमिकों के लिए वरदान मनरेगा

ग्राम–पंचायत भोमा मे ओर एक जहा निर्माण कार्य ओर विकास कार्य कराये गए हे वही मनरेगा योजना मे मजदूरो को रोजगार देने मे उतकृष्ट कार्य किए गए हे वह समस्त हितग्राही जो मनरेगा योजना के अंतर्गत कार्य करना चाहते थे या पात्रता रखना चाहते थे उनका जब कार्ड बनाकर मनरेगा योजना के अंतर्गत पर्याप्त रोजगार को कार्य दिया गया है।

1. परकुलेसन टेंक निर्माण कार्य किया गया – ग्राम पंचायत भोमा मे बाबाझिरया मे तालाब के पास पशुओ के पानी पीने की व्यवस्था ,कृषको के लिए सिचाई की व्यवस्था एवं उक्त निर्माण कार्य से ग्राम पंचायत के जल स्तर मे भी व्रद्धि हुई है।

2. नदी पुनर्जीवन अंतर्गत नाला मे जल संवर्धन कार्य (नाला ट्रेडिंग कार्य)– नदी पुनर्जीवन अंतर्गत नाला मे जलसंवर्धन निर्माण कार्य कराया गया हे जिससे वर्षा ऋतु मे जो पानी बहकर नदी नालों मे मिल जाता हे उस जल को रोकने हेतु नाला ट्रेडिंग

कार्य गया हे उक्त स्थान का चयन सहायक यंत्री श्री संजय जाटव, उपयंत्री श्री विजय वर्मा के मार्गदर्शन पर किया गया है। इस कार्य को कराने के पश्चात जहा जल वर्षा ऋतु के बाद समांप्त हो जाता था अब शीत ऋतु तक तक एकत्र रहता हे आगे ग्राम पंचायत द्वारा एसी ओर योजना तैयार की गई हे जिससे ग्रीष्म ऋतु तक पानी एकत्र रहे।

3. मेड बंधान निर्माण कार्य– ग्राम पंचायत भोमा मे जरूरत मंद एवं पात्र हितग्राहीओ का मेड बंधान निर्माण कार्य कराया गया है।

4. शांति धाम उनयन कार्य– ग्राम पंचायत भोमा मे मोक्ष धाम पर सेट निर्माण कार्य किया गया है तथा शांति धाम को आवारा पशुओ एवं असामाजिक तत्वो से सुरक्षा के लिए बाउंड्री बाल निर्माण कार्य कार्य गया है।

5. सभा मंच एवं चबूतरा निर्माण कार्य – ग्राम पंचायत भोमा मे चबूतरा निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शासन द्वारा संचालित हितग्राही मूलक योजनाओं मे योगदान हमेशा धार्मिक कार्यो मे तत्त्पर्य गरीबो की सहायता करने मे सबसे आगे एवं पात्र हितग्राही को शासन द्वारा संचालित योजनाओ का लाभ दिलाने मे सरपंच श्रीराज साहू का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

6. ग्रामीण शौचालय योजना – ग्राम मे स्वच्छता की ओर कदम बड़ाते हुये स्वच्छ भारत मिशन टीम जिला पंचायत ,जनपद पंचायत ग्राम पंचायत एवं ग्राम वासी के सहयोग से संमस्त पात्र हितग्राही के व्यक्तिगत शौचालय निर्माण कार्य कराया गया हे एवं ग्राम पंचायत को खुले मे सोच से मुक्त 2018–19 मे किया गया है। ग्राम पंचायत भोमा मे कृषि उप मंडी का निर्माण कार्य दृ ग्राम पंचायत भोमा मे निवास रत समस्त जनसंख्या का लगभग 75 : जनसंख्या कृषि पर आधारित हे 75: लोग कृषि कार्य पर अपना जीवन यापन करते हे पूर्व से ही किसानो को अपनी फसल वितरण करने हेतु दूरदराज स्थानो पर जाना पड़ता था जिससे किसानो को समय सीमा पर अपनी फसल का समय सीमा पर उचित लाभ नहीं मिलपाता था।

वर्तमान मे यहा समस्या को दूर किया गया हे ग्राम पंचायत के सरपंच श्री राज साहू के अथक प्रयासो से ही संभव हो पाया हे ग्राम पंचायत क्षेत्र मे अब एक कृषि उपमंडी का निर्माण कार्य किया जा चुका हे जिसकालाभ ग्राम पंचायत भोमा के किसान के साथ साथ आसपास की पंचायतो के किसानो को भी मिल रहा हे अब किसान अपनी फसल का उचित लाभ समय सीमा पर प्राप्त कर रहे है।

कोरोना महामारी जैसी विषम परिस्थिति मे ग्राम पंचायत भोमा ने शासन द्वारा निर्धारित दिशा निर्देशों का पालन करते हुए मनरेगा मे मजदूरो को पर्याप्त रोजगार दिया गया है। निश्चित ही मनरेगा कोरोना काल में श्रमिकों के लिये वरदान साबित हुई है।

सी.के. चौबे,
संकाय सदस्य

सोशल डिस्टेंस से काबू में रहेगा कोरोना वायरस

कोरोना संक्रमण को हम घर पर रहकर ही हरा सकते है इसीलिए सभी शासन के दिशा निर्देशों का गंभीरता के साथ पालन करें। वही ग्राम पंचायत गोडालखेडा जनपद पंचायत बटियागढ जिला दमोह स्वच्छता के तहत 20 सेकेण्ड तक साबुन से हाथ धोना, सेनिटाजर का प्रयोग करें तथा जरूरी होने पर ही घर से निकले, यदि मजदूरी कार्य करने जाते है तो सुरक्षात्मक उपाय अपनाकर अपने मुंह को हमेशा मास्क से ढक कर रखे, श्री शिवसिंह, सरपंच, ग्राम पंचायत गोडालखेडा जनपद पंचायत बटियागढ एवं ब्लॉक कॉरडीनेटर जनपद पंचायत बटियागढ, जिला दमोह द्वारा यह समझाइस क्षेत्रो में दी जा रही है

भारत सरकार द्वारा सोशल डिस्टेंस नियमों का पालन अनिवार्य किया गया है, वही गांव मे आजीविका मिशन की ग्राम संगठन की महिलाओ के द्धारा मास्क निर्माण किया जा रहा है एवं बनाये गये मास्क को जनपद पंचायत बटियागढ .द्धारा खरीद कर गांव मे जगह–जगह पहुंचकर मनरेगा मजदूरों को मास्क वितरण किये गये है। साथ ही सुरक्षात्मक उपायो के बारे में जानकारी दी जा रही है।

झनक सिंह कुहकुटे,
संकाय सदस्य

जेंण्डर आधारित आधी आबादी स्वसहायता समूह माध्यम – काव्य रचना

दिन पे दिन बढ रही गरीबी,, खर्चा हो गये दूने।
महगाई में गुजर न होवे, सपने हो गये सूने।
सो जुड के हमें समूह में, अपनो नाम लिखाने।

ईसे सबई जनन के संगे दीदी,
हप्ता की हर बैठक में जाने।

हाथ पे हाथ धरे हम, कब लो एसे बैठे रहबी, रोज रोज कर्जा के लाने, कीके द्वारे जैहवी।
सो तन तन पेट काट काट के, एक एक मुट्ठी गेंहू चना पैसा समूह में जमा कराने।

ईसे सबई जनन के संगे, दीदी
हप्ता की हर बैठक में जाने।

राजवती और राधा रामकली रमकुईया, पार्वती प्रिया संग ले रई उधार समूह से बैला गईया।
कैसो नोनो समय मिलो है, इसे हाथ से नही गवांने।

ईसे सबई जनन के संगे, दीदी
हप्ता की हर बैठक में जाने।

जोन गरीबी घेरे हमखां, उखां भगा के रहना। और अबला से सबला बनकर के, करके काम दिखाने।
जो कलंक गरीबी मांथे को टीका, दीदी अब अपने हाथ मिटाने।

ईसे सबई जनन के संगे, दीदी
हप्ता की हर बैठक में जाने।

आर.पी. खरे,
संकाय सदस्य

सच हुआ सपना अपने आशियाने का – सफलता की कहानी

मध्यप्रदेश राज्य के मंदसौर जिले की जनपद पंचायत गरोठ की ग्राम पंचायत ढाबला गुर्जर के हितग्राही जगदीश पिता गोकुल विश्वकर्मा अपने परिवार जिसमें उसकी तीन बेटियाँ सहित जीवन यापन करता है। कठिनाईयों भरा जीवन आमदनी इतनी कि दो वक्त की गुजर बसर हो जाती थी, रहने के लिए पुराना टपरेल का मकान जिसमें शुद्ध हवा व प्रकाश का अभाव निरंतर रहता था तथा वर्षा के मौसम में आंधी–तूफान, बारिश से अतिरिक्त खार्चा व परेशानियां खड़ी हो जाती सो अलग, ऐसे में कम आमदनी बच्चों का भरण पोषण, शिक्षा–दीक्षा, बीमारियों में खर्च के कारण जगदीश विश्वकर्मा इतनी जमापूंजी भी इकठ्ठी नही कर पा रहा था कि कम से कम अपने बच्चों के लिए पक्का मकान ही बना ले, किन्तु बचत के नाम पर हमेशा खाली हाथ। ऐसे में उसके बच्चों व परिवार का जीवनस्तर काफी निम्नस्तर का हो चला था।

एस.ई.सी.सी. 2011 सर्वे की अन्य पिछडा वर्ग की सूची से शासन लक्ष्य अनुसार प्रधानमंत्री आवास निर्माण की स्वीकृति के साथ जगदीश विश्वकर्मा ने अपने कच्चे मकान को गिराकर विभिन्न स्तरों पर राशि प्राप्त होने से पक्के आवास का निर्माण कराया गया। आवास में शुद्ध हवा का आवागमन, स्टेण्ड वाला किचन, अलग से शौचालय शासन द्वारा स्वीकृत डिजाईन अनुसार निर्मित किया गया जिसमें परिवार के स्वास्थ्य व जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार हुआ। बीमारियों पर होने वाला अतिरिक्त खर्च बचने लगा जिससे पत्नी व बेटियों ने सिलाई का कार्य सीखकर अतिरिक्त आय का साधन विकसित कर लिया सिलाई–कढ़ाई से घरेलू आमदनी बढ़ी साथ ही हितग्राही जगदीश भी बचत की राशि से फर्नीचर बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त कर फर्नीचर कार्य प्रारंभ कर पारिवारिक आय की वृद्धि में पूर्ण सहयोग देने लगा। इस आय वृद्धि से हितग्राही के परिवार के जीवन स्तर में काफी सुधार आया तथा हितग्राही की पुत्रियां उच्च शिक्षा प्राप्त करने की और अग्रसर है एवं पारिवारिक प्रतिष्ठा में भी उत्तरोत्तर वृद्धि हुई।

इस प्रकार एक ग्रामीण गरीब परिवार के मुखिया श्री जगदीश प्रधानमंत्री आवास–ग्रामीण योजना अंतर्गत लाभांवित होकर परिवार सहित खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहे है जो उनके लिए किसी सपने से कम नही है।

शशांक भार्गव,
संकाय सदस्य

हरदा जिले में एमआरपी एवं एसएचजी द्वारा स्वच्छता साक्षरता अभियान

ईटीसी भोपाल से चयनित एमआरपी श्री नरेन्द्र सांकल्ले, कंचन चौहान एवं जिले की महिला एसएचजी द्वारा हरदा जिले में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड के सौजन्य से गांधी जयंती पर ''स्वच्छता साक्षरता अभियान'' 2020–21 का शुभारंभ स्वच्छ गांव स्वस्थ्य गांव के तहत् किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण कर किया गया सर्वप्रथम श्री खालिद अंसारी जिला विकास प्रबंधक बैंतूल एवं हरदा (नाबार्ड) ने कहा कि स्वच्छता से ही उत्तम स्वास्थ्य संभव हैं किसी भी देश की प्रगति

व समृध्दि उसके लोगों के स्वास्थ्य पर टिकी होती हैं। उन्होने कहा कि महात्मा गांधी ने भी स्वच्छता पर बहुत जोर दिया था वही देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने महामा गांधी जी के सपने स्वच्छ भारत मिशन को पूरा करने के लिये जो मिशन शुरू किया है, उसे न केवल पूरे भारत बल्कि पूरे विश्व ने सराहा हैं। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत लाखों शौचालयों का निर्माण किया गया हैं तथा पूरे राज्य में स्वच्छता की नई क्रांति पैदा की हैं। आज पूरा मध्यप्रदेश खुले में शौच से मुक्त है। अब हमें और आगें बढ़ने के लिये लोगों को जागरूक करना अतिआवश्यक हैं। इसके लिये हमें सभी हितग्राहियों से साथ मिलकर कार्य करना होगा। जिसमें राज्य सरकार, एन.जी.ओं, एस.एच.जी आदि की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। इसी महत्व को ध्यान में रखते हुये नाबार्ड ने ''स्वच्छता साक्षरता अभियान 2020–21'' को शुरू किया हैं। इस अभियान में वॉश (वाटर सेनिटेशन व हाईजिन) पर जोर दिया जायेगा। इसके तहत जिले में निर्मित शौचालयों का उपयोग करने तथा नये शौचालयों बनाने के लिये लोगों को प्रेरित किया जायेगा। इस अभियान से स्वच्छ गांव, स्वस्थ्य गांव व सुखी गांव की परिकल्पना को साकार किया जायेगा। कोविड–19 के दौरान नाबार्ड का स्वच्छता साक्षरता अभियान अत्यंत प्रासंगिक है।

इसी क्रम में एमआरपी श्री नरेन्द्र साकल्ले अध्यक्ष पहल संस्था ने कहा कि हमारी गरीबी के लिये भी कहीं न कहीं हमारा अस्वच्छता का व्यवहार जिम्मेदार होता हैं। यदि हम स्वच्छता पर 1 रूपया खर्च करते हैं तो हमें 9 रू के बराबर लाभ होता हैं। इसीलिये हमें स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना होंगा। साथ ही साकल्ले जी द्वारा कहा गया कि गांधी जी के सिध्दांतो पर चलना ही देश की सेवा हैं।

महिला बाल विकास के उपसंचालक डॉ राहुल दुबे द्वारा कहा गया कि स्वच्छता न अपनाने से बच्चों में अनेक तरह कि बीमारी होती हैं, जिसकी वजह से बच्चों में कुपोषण जैसी गंभीर बीमारी होती हैं। जिसके कारण बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। जिससें वह आसानी से कई तरह की बीमारियों के शिकार बन जाते है। इसीलिये हमें अनुपूरक पोषण आहार के साथ–साथ हमारी दैनिक दिनचर्या में स्वच्छता को भी शामिल करना होगा।

आई.सी.आई.सी.आई. बैंक के योगेश्वर सांखला ने बताया कि बैंक महिलाओं के आर्थिक सुदृढ़ हेतु कार्य कर रही हैं। गांव की महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत करना हमारा लक्ष्य हैं। जिसके अंतर्गत बैंक महिलाओं के समूहों को कम समय में उनकी मासिक बचत के आधार पर अत्यधिक वित्तीय सहयता प्रदान करती है, ताकि समूह की महिलायें अपना स्वयं का स्व–रोजगार स्थापित कर सकें।

स्वच्छता साक्षरता अभियान कार्यक्रम में सभी स्व–सहायता समूह की महिलाओ को कोविड–19 का पालन करते हुये सैनिटाईज किया गया एवं मास्क वितरित किये गये।

कार्यक्रम के अंत में प्रोजेक्टर के माध्यम से एक लघु फिल्म दिखाई गई जो कि शौचालयों का उपयोग करने पर आधारित थीं। कार्यक्रम में स्व–सहायता समूह कि महिलायें, नवीन कुशवाहा पहल संस्था जिला समन्वयक अमित माहुले, संजय कलोसिया सामुदायिक संगठक उपस्थित थें। अमित माहुले द्वारा कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों, समूह की महिलाओं का आभार व्यक्त कर समापन किया गया।

प्रकाश कड़वे
संकाय सदस्य

ग्राम में महिलाओं द्वारा नशा मुक्ति आन्दोलन

विगत लम्बे समय से ग्राम के कुल 423 परिवारों में से लगभग 122 परिवारों द्वारा नियमीत रूप से शराब का सेवन किया जा रहा था। ग्राम की महिलाएँ इससे बुरी तरह पिड़ित एवं असहाय महसूस कर रही थी। महिलाओं द्वारा दिनभर की मजदूरी की राशि एवं बालकों द्वारा किए जा रहे कार्य की मजदूरी का अधिकांश भाग परिवार के मुखिया द्वारा शराब सेवन में अधिकांश खर्च कर दी जाता था। जिससे ये परिवार गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने हेतु बाध्य हो गए थे। ग्राम में लगभग 15–20 घरों में अवेध रूप से शराब की बिक्री की जा रही थी। ग्रामीण महिलाओं की मांग पर महिला ग्राम सभा में इस संबंध में महिलाओं द्वारा आक्रोश व्यक्त करते हुए ग्राम में पूर्ण रूप से शराब बंदी की मांग की गई। ग्राम पंचायत द्वारा महिलाओं की मांग पर कार्यवाही करते हुए ग्राम की अवेध शराब दुकानों को पुलिस प्रशासन की सहायता एवं अन्य उचित माध्यमों का प्रयोग करते हुए शराब सेवन करने वाले पुरूषों को समझाईश दी गई एवं रोजगार उपलब्ध कराते हुए ग्राम में पूर्ण शराब बंदी लागू करवाई गई वर्तमान में ग्राम में सभी शराब सेवन करने वाले पुरूषों ने मंदिर प्रांगण में सामूहिक सभा में शपथ लेकर शराब का सेवन बंद कर दिया । जिससे उक्त परिवारों का अर्थिक एवं सामाजिक विकास हो रहा है। इनके बालक/बालिका जो वर्ष 2019–20 के पूर्व आवश्यक शिक्षा से वंचित थे उन्हें शाला में प्रवेश की कार्यवाही कर शत–प्रतिशत भती करवाया गया, अचार, सिंलाई, बढाई बुनाई, ब्यूटी पार्लर, चुड़ी कंगन व्यवसाय सब्जी, फल विक्रेता संबंधी कार्यो पर प्रशिक्षण एवं अर्थिक सहायता समूहों के माध्यम से प्रदान कर इनके परिवारों की आय में वृद्धि के लिये सफलतम प्रयास किए गए । परिणामतः वर्तमान में इस ग्राम के 42 युवक प्लमबिंग, मोटरबांडिंग, इलेक्ट्रीशियन, चाट–ठेला, हस्तकरधा, पर्स बेल्ट वेल्डिंग कार्यो में संलग्न होकर शहर में अपना कार्य कर रहे हैं । ग्राम में 39 महिलाओं ग्राम पंचायत द्वारा शासकीय योजना सिलाई कढ़ाई बुनाई, सब्जी व्यापार, ब्यूटीपार्लर, चुडी कंगन व्यवसाय में लगी हुई है। इनके परिवार के मुखियों को (ग्रामीण रोजगार ग्यारंटी योजना) मनरेगा अन्तर्गत कार्य पर लगाया गया है। जिससे इन सभी परिवारों की आर्थिक स्थिति में बदलाव आया एवं सामाजिक विकास हुआ है। इन परिवारों की बेटियों का संबंध अब अच्छे परिवारों में होने लगा है। जिससे एक जनजाग्रति एवं अर्थिक व सामाजिक क्रांति आई है। उपरोक्त कार्यो के लिए महिला बालविकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, एनआरएलएम, कौशल विकास उन्यन केन्द्र ने सराहनिय योगदान दिया।

उक्त कार्यो में योगदान प्रदान करने वाली ग्रामीण महिलाएँ :– श्रीमती कृष्णा दीपक, श्रीमती रीना सुभाष, श्रीमती निर्मला सुरेश, श्रीमती सीमा शिवराम, श्रीमती सीमा दौलत, कु. रेखा पिता विजय, श्रीमती सूरज धर्मेन्द्र, श्रीमती सेवन्ती सुभाष, श्रीमती अनिता सुरेश ।

ग्राम के आर्थिक सामाजिक एवं नशा मुक्ति अभियान में सराहनीय सहयोग –

श्री राजेन्द्र शर्मा सी.ई.ओ., श्री अशोक यादव सचिव, श्री विशाल कुश्वाह रोजगार सहायक, श्रीमती सीमा बाई सरपंच, श्री धर्मेन्द्र द्वारक्या उपसरपंच श्री शिवराम नानक्या, श्री महेश रामलाल श्री प्रकाश द्वारक्या श्री दिपक फत्थू, श्री जितेन्द्र डालूराम, श्री प्रदीप हिरालाल, श्री सुभाष नरसिंह, श्री मंशाराम जयसिंह का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ।

तल्लीन बड़जात्या
संकाय सदस्य